स्वागत उद्‌बोधन एवं विश्वविद्यालय प्रगति प्रतिवेदन

आचार्य संजय सिंह
माननीय कुलपति

डॉ0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के 'एकादश दीक्षांत समारोह' की अध्यक्षता कर रहीं–

माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश एवं इस विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी,

समारोह के मुख्य अतिथि प्रथम पैरा–ओलम्पिक स्वर्ण पदक विजेता पद्मश्री श्री मुरलीकांत राजाराम पेटकर जी,

माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, श्री नरेन्द्र कश्यप जी,

प्रमुख सचिव, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, श्री सुभाष चन्द शर्मा जी,

सामान्य परिषद्, कार्य परिषद् एवं विद्या परिषद् के सम्मानित सदस्यगण, संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षकगण, अधिकारीगण, कर्मचारीगण, आमंत्रित गणमान्य अतिथिगण, समस्त विद्यार्थी एवं उनके गौरवान्वित अभिभावकगण, इस समारोह में उपस्थित हमारे स्पर्श विद्यालय के प्यारे बच्चों, आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों, प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से पधारे पत्रकार बन्धुओं, देवियों और सज्जनों! आप सभी का मैं विश्वविद्यालय के 'एकादश दीक्षांत समारोह' के अवसर पर हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ।

मै विश्वविद्यालय परिवार की ओर से माननीय कुलाध्यक्ष महोदया का हार्दिक अभिनंदन करता हूँ तथा आपके मार्गदर्शन के लिए कृतज्ञता ज्ञापित करता हूँ।

मुख्य अतिथि श्री पेटकर जी ने हमारे आग्रह को स्वीकारा, इसके लिए हम हृदय से आभारी हैं। विश्वविद्यालय परिवार आपका हार्दिक स्वागत करता है।

मा0 मंत्री जी हमारे विश्वविद्यालय की प्रगति के लिए सदैव तत्पर रहते हैं। आपके सहयोग के लिए हम सभी अनुगृहीत हैं।

प्रमुख सचिव जी से निरन्तर आवश्यकतानुसार दिशा प्राप्त होती रहती है। आपका हमारे प्रांगण में स्वागत है।

आज इस सभागार में उपस्थित सभी विद्यार्थियों को, जिन्हें उपाधि और मेडल प्राप्त होने हैं, मेरी तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सन् 2008 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दिव्यांग विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा सुगमता से प्राप्त हो सके, इस उद्‌देश्य से की गयी। यहां 50 प्रतिशत सीटें दिव्यांगजनों के

लिए आरक्षित हैं। दिव्यांग विद्यार्थियों को इस विश्वविद्यालय में शिक्षा, भोजन एवं छात्रावास इत्यादि की निःशुल्क सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। हमारे विश्वविद्यालय में गुणवत्तापरक समावेशी शिक्षा पद्धति से आकृष्ट होकर भारत के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं।

आप सभी को अवगत कराते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि विश्वविद्यालय दिव्यांग विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा की प्राप्ति में आ रहे व्यवधान एवं चुनौतियों के समाधान हेतु निरन्तर प्रयत्नशील है।

इसी क्रम में, उच्च शिक्षा में **श्रवण बाधित विद्यार्थियों** को अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित कॉलेज फॉर डेफ द्वारा इन्टरमीडिएट स्तर का **प्री डिग्री सर्टिफिकेट कोर्स फॉर डेफ** संचालित किया जा रहा है। विश्वभर में बधिर जनों के उत्थान तथा उनके समुदाय के प्रति गैर बधिर लोगों को जागरूक करने एवं मूक एवं बधिरों की अन्तर्निहित शक्तियों को विकसित करने के लिए 25 से 30 सितम्बर 2023 तक अन्तरराष्ट्रीय बधिर सप्ताह का आयोजन भी विश्वविद्यालय में किया गया।

ब्रेल प्रेस के द्वारा **दृष्टिबाधित विद्यार्थियों** के अध्ययन को सुगम बनाने हेतु ब्रेल लिपि में पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें, पत्रिकाएं एवं अन्य अध्ययन सामग्री लिप्यांतरित कर उपलब्ध कराई जा रही हैं। साथ ही **'टॉकिंग बुक स्टूडियो'** के माध्यम से दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को ध्वनि आधारित अध्ययन सामग्री सुलभ कराई जा रही है। इस कड़ी में विशेष शिक्षा संकाय के अन्तर्गत दृष्टिबाधितार्थ विभाग और अमेरिका के प्रतिष्ठित पर्किन्स स्कूल फॉर द ब्लाइंड के सहयोग से दिनांकः 22 एवं 23 फरवरी 2024 को दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कांफ्रेंस आयोजित हुई।

दिव्यांगजनों को निःशुल्क अंग प्रदान किए जाने हेतु विश्वविद्यालय में **'कृत्रिम अंग एवं पुनर्वास केन्द्र'** स्थापित है। इस केन्द्र में विगत एक वर्ष में कुल 11 प्रशिक्षण कार्यक्रम, 03 राष्ट्रीय संगोष्ठी, 01 राज्य स्तरीय संगोष्ठी, 05 कैम्प तथा 14 जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। केन्द्र द्वारा अब तक 3950 दिव्यांगों को निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं उपकरण प्रदान किये गये हैं। यह केन्द्र दिव्यांगजनों को उत्तम एवं नवीन तकनीक पर आधारित सुविधा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग के बेहतर निर्माण के लिए आवश्यक अनुसंधान भी इस केन्द्र द्वारा किया जा रहा है। इस केन्द्र के अन्तर्गत बी0पी0ओ0 एवं एम0पी0ओ0 पाठ्यक्रम भी संचालित होते हैं।

विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पठन–पाठन हेतु संकल्पबद्ध है। विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को स्नातक स्तर पर सत्र 2021–22 से एवं परास्नातक स्तर पर सत्र 2024–25 से क्रियान्वित कर दिया है। बहुविषयक शोध को बढ़ावा देने के लिए च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम के आधार पर तैयार पाठ्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इस सत्र में स्नातक स्तर पर कुछ सीटों पर सी.यू.ई.टी. के माध्यम से प्रवेश दिया गया है। अगले सत्र से इस दायरे को और विस्तृत किया जायेगा।

संकायों का पुनर्गठन करते हुए तीन नए संकायों (यथा भाषा संकाय, ललित कला एवं प्रदर्शन कला संकाय, पैरामेडिकल रिहेबिलिटेशन साइन्सेज संकाय) के साथ चार नए विभागों (यथा प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स विभाग, ऑडियोलॉजी एवं स्पीच लेंग्वेज पैथालॉजी विभाग, योग विभाग, संगीत विभाग) को क्रियाशील कर दिया गया है। विश्वविद्यालय के सभी विभागों ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी एक वर्षीय, तीन वर्षीय, पंच वर्षीय कार्य योजनाएं बना ली है, और उस पर पहल करना भी प्रारम्भ कर दिया है। एकेडमिक कैलेण्डर के साथ ही को–करिकुलर कैलेण्डर भी इस बार बनाया गया है, जिससे वर्ष–पर्यन्त शिक्षणेत्तर गतिविधियों को सुगमता पूर्वक संचालित किया जा सके। इस सत्र से सभी शिक्षक सत्रवार शिक्षण योजना (कोर्स–फोल्डर) बना कर उसी के आधार पर कक्षाएं संचालित करेगें। विश्वविद्यालय स्तर पर शैक्षणिक कार्यों के सुगम संचालन के लिए अधिष्ठाता शैक्षणिक की नियुक्ति की गई तथा विद्यार्थियों की समस्या समाधान के लिए लोकपाल भी उपलब्ध है।

किसी भी विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान उसके द्वारा संपादित गुणवत्तापरक शोध से होती है। विश्वविद्यालय शोध कार्य को निरन्तर प्रोत्साहित कर रहा है। शोध परियोजनाओं को गति प्रदान किये जाने हेतु डायरेक्टर, रिसर्च एवं डेवलपमेण्ट की नियुक्ति की गई है। रिसर्च प्रोजेक्ट और कन्सलटेन्सी नियमावली बनाई गई है। इसी क्रम में हमारे विश्वविद्यालय के कई शिक्षकों को शोध के लिए अनुदान भी मिले हैं।

विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त विद्यार्थियों का केन्द्रीय, राज्य एवं अन्य सेवाओं जैसे उच्च शिक्षा, न्यायिक सेवा, निजी क्षेत्र में **सेवायोजन** हो रहा है। विश्वविद्यालय में इस वर्ष 145 विद्यार्थियों का चयन टाटा कन्सलटेन्सी, एच0सी0एल0, विप्रो, टेक महिन्द्रा, जारो एजुकेशन जैसे विभिन्न संस्थानों एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में हुआ है। साथ ही हमारे विश्वविद्यालय के छात्र वर्तमान लोकसभा एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा के सम्मानित सदस्य भी हैं।

शिक्षा के साथ ही खेल के क्षेत्र में दिव्यांगजनों को अवसर प्रदान किये जाने हेतु हमारा विश्वविद्यालय संकल्पबद्ध है। परिणाम–स्वरूप विश्वविद्यालय के परिसर में अन्तरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप बाधारहित विशिष्ट स्टेडियम की स्थापना की गई है, जिसमें पैरा बैडमिंटन, दृष्टिबाधित क्रिकेट, बालीवाल, एथलेटिक्स एवं जिम की सुविधाएं दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु उपलब्ध हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि भारत सरकार के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने पैराओलंपिक बैडमिंटन खेलों की तैयारी के लिए हमारे विश्वविद्यालय का चयन किया है। हमारे विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा इण्टरनेशनल पैरा बैडमिन्टन स्पर्धा में कुल 17 पदक जीतकर विश्वविद्यालय एवं देश का नाम रौशन किया है। विश्वविद्यालय के एम.बी.ए. की छात्रा सुश्री मनप्रीत कौर ने एशियन गेम्स मे एक बार और वर्ल्ड चैंपियनशिप में दो बार खेलने के बाद इस बार पेरिस पैरा ओलंपिक–2024 में देश का प्रतिनिधित्व किया।

विश्वविद्यालय में स्थापित स्वामी विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों की आवश्यकता के दृष्टिगत स्तरीय पुस्तकों, पत्र–पत्रिकाओं एवं अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। इस पुस्तकालय में 'समर्थनम' ट्रस्ट फॉर द डिसेबल्ड एवं विश्वविद्यालय के मध्य एम.ओ.यू. हस्ताक्षरित किया गया, जिसके माध्यम से समर्थनम ट्रस्ट द्वारा प्राप्त 20 कंप्यूटर, जॉस, कीबो एवं अन्य स्क्रीन रीडिंग सॉफ्टवेयर के माध्यम से मुद्रित पुस्तकों को 146 राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय भाषाओं में ध्वनिकृत किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानन्द केन्द्रीय पुस्तकालय में दिनांक 24 अप्रैल 2024 को **लुई ब्रेल कम्प्यूटर लैब** की स्थापना की गई। विश्वविद्यालय परिवार ने अपने परिसर में ब्रेल प्रेस, ब्रेल पुस्तकालय एवं लुई ब्रेल कम्प्यूटर लैब की स्थापना करके लुई ब्रेल के प्रति अपनी सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है।

आजादी की 77वीं वर्षगाँठ के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा "काकोरी ट्रेन ऐक्शन की 100 वी वर्षगांठ" के अवसर पर विश्वविद्यालय में व्यापक पैमाने पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम के साथ ही विभिन्न विभागों में वाद विवाद, निंबध लेखन प्रतियोगिता, आजादी के राष्ट्रीय मूल्यों पर आधारित कार्यशाला, काव्यगोष्ठी, प्रभातफेरी एवं खेल–कूद, चित्रकला आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के अवसर पर कलावीथिका एवं मूर्तिकला (स्कल्पचर) कोर्ट में चित्रकला, रंगोली एवं स्थापन कला कार्यक्रम का वृहद् आयोजन किया गया।

इस वर्ष विश्वविद्यालय में **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** (21 जून, 2024) के अवसर पर एक साथ 1500 लोगों ने योग किया। दिनांक 22 जुलाई 2024 को **विश्व रक्तदान दिवस** के अवसर पर विश्वविद्यालय में **कुल 55 यूनिट रक्तदान** संपन्न हुआ। जुलाई माह में **वन महोत्सव** आयोजन के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर एवं समीपवर्ती गाँवों में कुल 1600 पौधों का रोपण संपन्न किया गया।

खेल के प्रोत्साहन हेतु क्रीड़ा नीति 2024 (स्पोर्ट्स पालिसी) छात्रावास में अनुशासन एवं सुगम संचालन के लिए छात्रावास नीति 2024 (हॉस्टल पालिसी), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली द्वारा समय समय पर निर्गत विनियमों का समावेशन करते हुए पी–एच.डी नियमावली 2024, फैकल्टी बोर्ड रेगुलेशन 2024, छात्र आचरण एवं अनुशासन नियमावली 2024 को लागू किया जा रहा है। भारत सरकार की नियामक संस्था भारतीय पुनर्वास परिषद (रिहैबिलिटेशन काउंसिल ऑफ इंडिया) से पांच नए पाठयक्रमों के संचालन की मान्यता मिलने सहित कुल 15 नए पाठ्यक्रमों का संचालन आरंभ हुआ है। दिव्यांगता के क्षेत्र में यह विश्वविद्यालय 'सेंटर फॉर एक्सीलेंस'' हो, ऐसा संकल्प लेकर हम प्रगति पथ पर अग्रसर हैं।

इस विश्वविद्यालय में 08 संकायों, 02 संस्थानों के अधीन कुल 33 विभाग संचालित हो रहे हैं, जिसमें 4398 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। विश्वविद्यालय द्वारा समूचे उत्तर प्रदेश में 16 महाविद्यालयों/संस्थानों को सम्बद्धता प्रदान की गयी है। विश्वविद्यालय एवं संबद्ध समस्त

महाविद्यालयों में 5682 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिसमें 1541 दिव्यांग विद्यार्थी हैं।

विश्वविद्यालय के इस एकादश दीक्षांत समारोह में कुल 1615 विद्यार्थियों (772 छात्राएं एवं 843 छात्र) को उपाधियों से विभूषित एवं 130 मेधावी विद्यार्थियों को 159 पदकों से अलंकृत किया जा रहा है। इसमें 82 पदक छात्राओं को तथा 48 पदक छात्रों को मिले हैं। कुल 159 पदकों में 14 दिव्यांग विद्यार्थियों ने 19 पदक प्राप्त किये हैं जिसमें 07 छात्राएं सम्मिलित हैं। विगत वर्ष की अपेक्षा इस बार मेडल प्राप्त करने वाले दिव्यांग विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। हमारे विश्वविद्यालय में छात्राओं की संख्या छात्रों की संख्या के करीब है। विश्वविद्यालय छात्राओं के लिए आवश्यक शैक्षणिक वातावरण देने के लिए कृत संकल्प है।

आज के इस शुभ अवसर पर मैं पुनः सभी उपाधिधारकों, उनके माता–पिता एवं गुरूजनों को उनकी इस सफलता के लिए हार्दिक शुभकानायें एवं बधाई देता हूँ।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी भावी जीवन में अपने चयनित क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देकर विश्वविद्यालय और राष्ट्र का मान बढ़ाने में सफल होंगे।

जय हिन्द!